

कच्चा पड़ना अ.क्रि. (देश.) झूठा ठहरना, गलत सिद्ध होना।

कच्चापन पुं. (देश.) कच्चे होने की स्थिति या अपरिपक्वता।

कच्ची गोली स्त्री. (देश.) मिट्टी की गोली जो पकाई न गई हो मुहा. कच्ची गोली खेलना-अनाड़ीपन या अनुभवहीनता या तजुरबे का काम करना जो भविष्य में नुकसानकारक हो।

कच्ची नकल स्त्री. (देश.) वह नकल जो किसी सरकारी कागज या मिसिल से सक्षम अधिकारी द्वारा प्रमाणित न हो कर सादे कागज पर उतरवाई जाए।

कच्ची नींद स्त्री. (देश.+तद्.) वह नींद जो पूरी न हुई हो, झपकी।

कच्ची रसोई स्त्री. (देश.) पानी में पकाया हुआ अन्न, जिसे घी-तेल दूध में न पकाया गया हो।

कच्ची सड़क स्त्री. (देश.) वह सड़क जिसे डामर कंक्रीट आदि से पक्का न किया गया हो।

कच्ची सिलाई स्त्री. (देश.) कपड़े पर जगह छोड़-छोड़ कर की गई सिलाई।

कच्छ पुं. (तत्.) 1. दलदल भूमि, अनूप देश, नदी किनारे की भूमि, कछार 2. गुजरात का एक अंतरीप 3. कच्छा।

कच्छप पुं. (तत्.) 1. कछुआ 2. कछुए के रूप में विष्णु के एक अवतार को कच्छप या कूर्म कहते हैं। turtle

कच्छा पुं. (तद्.) जाँघिया।

कछार पुं. (तद्.) समुद्र या नदी के किनारे की भूमि जो तर और नीची होती है, खादर दियारा।

कछुआ पुं. (तद्.) दे. कच्छप।

कजरा पुं. (तद्.) 1. काजल 2. काले रंग का।

कजली स्त्री. (देश.) एक त्यौहार। यह बूंदेल खंड में सावन की पूर्णिमा को और मिर्जापुर, बनारस में भादौ बदी तीज को मनाया जाता है, इसमें कच्ची मिट्टी के पिंडों में गोदे हुए जौ के अंकुर

किसी ताल में डाले जाते हैं 2. एक प्रकार का गीत जो सावन में गाया जाता है।

कजली तीज पुं. (तद्.) भादौ बदी तीज।

कट पुं. (अं.) विधि, ढंग जैसे अंग्रेजी कट बाल, घुमाकर वि. (तद्.) काटने वाला, जैसे परकटा, नक्कटा पुं. (तत्.) 1. सरकंडा आदि घास के डंठलों से बनी चटाई 2 हाथी का गंडस्थल 3. 'काटना' का लघु रूप जैसे यौगिक शब्दों से कटखना।

कटक पुं. (तत्.) 1. सेना, फौज 2. पहाड़ के बीच का ऊंचा भाग ridge 3. उड़ीसा का एक नगर।

कटकट पुं. (अनु.) दाँतों के आपस में टकराने से बजने का शब्द 2. ला.अर्थ. लड़ाई-झगड़ा, वाद विवाद, व्यर्थ की कहासुनी।

कटकटाना स.क्रि. (अनु.) क्रोध में दाँतों का कटकट करना, दाँत पीसना, दे. कटकट।

कटखना पुं. (देश.) काट खानेवाला ला.अर्थ. अत्यधिक गुस्सैल एवं अभद्र।

कट ग्लास पुं. (अं.) मजबूत काँच जिस पर नक्काशी की गई हो।

कटघरा पुं. (तद्.) 1. काठ का जंगला 2. बड़ा भारी पिंजड़ा 3. अदालत में वह जगह जहाँ विचार के समय अभियुक्त या अपराधी खड़े किए जाते हैं।

कटड़ा पुं. (देश.) भैंस का नर बच्चा, पाड़ा।

कटना अ.क्रि. (तद्.) 1. चाकू आदि से काटे जाने पर दो टुकड़े होना 2. किसी भाग का अलग हो जाना 3. किसी से अलगाव चाहना।

कटपीस पुं. (अं.) नए कपड़ों का वह टुकड़ा जो थान कुछ बड़ा होने से उसमें से काट लिया जाता है या थान से बचा अंतिम वह टुकड़ा जो ग्राहक को कुछ सस्ते दाम में बेच दिया जाता है।

कटर वि. (अं.) काटनेवाला उपकरण पुं. सिलाई के लिए कपड़े काटने वाला कारीगर।

कटहल पुं. (तद्.) 1. बड़े आकार का एक सदाबहार घना वृक्ष जिसके फल बहुत बड़े-बड़े और काँटेदार छिलके वाले होते हैं 2. उक्त वृक्ष का फल jack fruit